दिग्विजय सिंह
संसद सदस्य - राज्य सभा

वी-1, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक 1225/2024
दिनांक 21/12/2024

प्रिय श्री शिवराज सिंह चौहान जी,

चाइना लहसून विरोधी संघ, मध्यप्रदेश का आवेदन पत्र मूलतः संलग्न है। किसानों ने मध्यप्रदेश सहित सम्पूर्ण भारत में लहसून तस्करों द्वारा मंडियों में चाइना का लहसून आयात किये जाने की शिकायत की है। चाइना के लहसून को मध्यप्रदेश के बिचौलियों द्वारा बेचे जाने से पूरे प्रदेश की मंडियों में लहसून के भाव बहुत कम हो गये है, जिससे किसानों को घाटा उठाना पड़ रहा है। प्रदेश के किसानों ने चाइना के लहसून को बेचे जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए मालवा क्षेत्र में कई स्थानों पर धरना प्रदर्शन कर स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन दिए है।

किसान नेता डी.पी. धाकड़ और अन्य किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया है कि मध्यप्रदेश के नीमच जिले सहित पूरे प्रदेश में अवैध तरीके से अफगानिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और ईरान के रास्ते से चाइना का लहसून आयात किया जा रहा है। चाइना का लहसून भारत में प्रतिबंधित होने के बाद भी आयात हो रहा है। इस लहसून के मध्यप्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों में बेचे जाने से स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित किये गये लहसून की कीमत एकाएक कम हो गई है। जिससे लहसून की खेती किसानों के लिये मुनाफे की जगह घाटे का सौदा बन रही है। यहा यह उल्लेखनीय है कि पूर्व में ही फसल लगाते समय किसानों ने 500 रूपये किलो की दर से लहसून खरीद कर लगाया था।

आपको विदित है कि मध्यप्रदेश के मालवांचल में पिछले कई सालों से किसान लहसून की बड़े पैमाने पर खेती कर रहे है। लहसून की खेती उनकी आय का एक प्रमुख ज़रिया भी है। मंदसौर, नीमच और रतलाम जिले में पैदा होने वाले लसहून की मांग पूरे देश में होती है। इंदौर सहित अन्य स्थानीय मंडियों के माध्यम से स्थानीय व्यापारी इस लहसून को किसानों से खरीदकर देश के अन्य भागों में विक्रय के लिये भेजते है। पिछले कुछ सप्ताहों से चाइना के लहसून के चोरी छुपे आने से स्थानीय लहसून का भाव एक से दो हजार रूपये क्विंटल तक कम हो गया है। मंडियों में लहसून के भाव कम होने से किसानों को उत्पादित लहसून की वाजिब कीमत नही मिल पा रही है। अनेक किसान कीमतें कम होने से अपना लहसून बिना बेचे ही वापस घर ले जा रहे है।

अभी कुछ दिन पूर्व मंदसौर जिले के नयाखेड़ा के पास दो लहसून से भरी गाड़ियों को मण्डी सचिव द्वारा अफगानिस्तान के कागज दिखाने के बाद भी बिना जांच पड़ताल के छोड़ दिया गया है। जो अटारी बॉर्डर से बेंगलुरू की ओर जा रही है। किसानों ने चाइना लहसून की इन गाडियों को रोकने तथा प्रदेश और पूरे भारत में हो रही चाइना लहसून तस्करी को रोकने की कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया है। जिस तरीके से चाइना का लहसून पड़ोसी देशों की सीमाओं के माध्यम से देश के अन्य राज्यों में बेचने हेतु भेजा जा रहा है। यह देश की सुरक्षा के लिये भी चिंता का विषय है।

निरंतर.....2

दिग्विजय सिंह
संसद सदस्य - राज्य सभा

वी-1, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक 1225/2024
दिनांक 21/12/2024

अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि (1) देश की सुरक्षा को सामने रखते हुए सीमाओं से लगे हुए देशों के रास्ते से भारत में बिकने आ रहे चाइना के लहसून की जांच होनी चाहिये। (2) आप मध्यप्रदेश के लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रह चुके है और प्रदेश के किसानों के दर्द को समझते है। कई बार पर्याप्त भाव नही मिलने पर मालवा के किसानों ने उत्पादित लहसून को मंडियों में ही छोड़ दिया था और कई बार नदियों में बहा दिया था। मध्यप्रदेश के लहसून उत्पादक किसानों के हितों का संरक्षण करने के लिये चाइनिस लहसून के आयात को रोका जाना चाहिये। (3) रतलाम जिले में चाइनिज़ लहसून से भरे जिन दो ट्रकों को स्थानीय किसानों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। चाइनिज़ लहसून की संदिग्ध तस्करी करने वालों की विस्तृत जांच पड़ताल करानी चाहिये।

सहयोग के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

सादर,

आपका

(दिग्विजय सिंह)

श्री शिवराज सिंह चौहान जी
माननीय मंत्री,
भारत सरकार,
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय,
कृषि भवन, नई दिल्ली 110001